ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2020; 6(10): 216-220
www.allresearchjournal.com
Received: 27-07-2020
Accepted: 02-09-2020

शैलेन्द्र कुमार
शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत

डॉ0 सरोज यादव
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र
विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
शैलेन्द्र कुमार
शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों की अध्ययन आदत का तुलनात्मक अध्ययन

शैलेन्द्र कुमार एवं डॉ0 सरोज यादव

सारांश
प्रस्तुत शोध पत्र में माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों की अध्ययन आदत का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। प्रतिदर्श का चयन बहुस्तरीकृत गुच्छ प्रतिदर्शन विधि से किया गया एवं प्रतिदर्श के रूप में प्रयागराज जिले में यू0 पी0 बोर्ड द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10 के 400 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। आंकड़ों के संकलन में विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों की पहचान हेतु स्वनिर्मित शैक्षिक समाजमितीय प्रश्नावली एवं अध्ययन आदत के मापन हेतु डिम्पल रानी और एम0एल0 जैदका द्वारा निर्मित अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया है। अध्ययन में निष्कर्ष पाये गये कि माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ एवं ई–संसाधनों के प्रयोग में सार्थक अन्तर है, जबकि माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता, योजना, अन्तर्क्रिया, अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण एवं अभ्यास में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

कुंजी शब्दः– शैक्षिक समाजमितीय समूह–लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत, अध्ययन आदत

प्रस्तावना
बालक या किसी भी व्यक्ति के जीवन में विकास के लिए वर्तमान समय में शिक्षा एक अनिवार्य भूमिका का निर्वहन करती है। शिक्षा के माध्यम से ही बालक आगे चलकर समाज में अपनी एक सफल पहचान बना पाता है। बच्चों की शिक्षा बाल्यकाल से ही परिवार में प्रारम्भ हो जाती है, अतः बालकों की शिक्षा के बारे में शुरुआत से ही ध्यान देना अति आवश्यक है। वर्तमान आर्थिक युग एवं भागदौड़ भरे जीवन में अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला अच्छे से अच्छे विद्यालयों में करवाने का प्रयास करते हैं, परंतु वे अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं कि वे बच्चों की रुचियों, व्यवहारों, प्रतिभावों एवं अध्ययन आदतों को समझ कर शिक्षा का प्रबन्ध कर सकें। समाज में भिन्न–भिन्न प्रकार के व्यक्ति एवं समूह पाये जाते हैं। जिस प्रकार समाज में विभिन्न प्रकार के व्यवहारों एवं आदतों वाले व्यक्तियों के समूह पाये जाते हैं, उसी प्रकार विद्यालय में भी छात्रों के भिन्न–भिन्न प्रकार के समूह देखने को मिलते हैं। छात्रों की रुचियों, आवश्यकताओं, आवासीय पृष्ठभूमि, योग्यताओं, आकांक्षाओं एवं आदतों के आधार पर कक्षा–कक्ष में विभिन्न प्रकार के समूहों का निर्माण होता है। कुछ विद्यार्थी कक्षा समूह में सबसे प्रिय होते हैं, कुछ विद्यार्थियों को समूह में कम पसंद किया जाता है तो कुछ विद्यार्थियों को समूह के सदस्यों द्वारा नापसंद भी किया जाता है। जिन विद्यार्थियों को कक्षा में सबसे अधिक पसंद किया जाता है उन्हें लोकप्रिय समूह, जिन विद्यार्थियों को कक्षा में सबसे कम पसंद किया जाता है उन्हें एकाकी समूह एवं जिन विद्यार्थियों को कक्षा में सबसे अधिक नापसंद किया जाता है उन्हें अस्वीकृत समूह के अन्तर्गत रखा जाता है।
कक्षा में उपस्थित विभिन्न प्रकार के समूहों के विद्यार्थियों के व्यवहारों, रुचियों एवं विशेषकर उनकी अध्ययन आदतों का जानना शिक्षक के लिए अति आवश्यक होता है। जिससे की विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धी आदतों को जानकर शैक्षिक सफलता का निरन्तर विकास किया जा सके। विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता में शिक्षकों के साथ–साथ माता–पिता एवं अभिभावकों के भी सहयोग की आवश्यकता होती है। प्रत्येक विद्यार्थियों में कुछ न कुछ व्यक्तिगत विभिन्नतायें पाई जाती हैं अतः यह जानना आवश्यक है कि विभिन्न विद्यार्थी किस प्रकार से अच्छा सीख सकते हैं, उनकी रुचि क्या हैं, उनकी अध्ययन आदतें कैसी हैं?

इन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखकर शिक्षकों को यह ध्यान देना होता है कि किस प्रकार से पठन–पाठन कार्य सम्पन्न कराया जाये जिससे कि विद्यार्थी कम समय में अधिक से अधिक अधिगम प्राप्त कर शैक्षिक सफलता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी अपने शैक्षिक कार्यों को सफल एवं उद्देश्यपूर्ण रूप से सम्पन्न करने के लिए विभिन्न क्रियाओं को करते हुए जो अद्वितीय शैली अपनाते हैं, वही उनकी अध्ययन आदतें कहलाती हैं। इस प्रकार विभिन्न समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को समझना आवश्यक हो जाता है। अतः इस विषय की महत्ता के कारण माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों की अध्ययन आदत का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता की तुलना करना।
2. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ की तुलना करना।
3. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना की तुलना करना।
4. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग की तुलना करना।
5. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया की तुलना करना।
6. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण की तुलना करना।
7. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास की तुलना करना।

शून्य परिकल्पनाएं –

1. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
6. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
7. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध अध्ययन विधि – प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक अनुसंधान विधि की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या – प्रस्तुत शोध हेतु प्रयागराज जिले के यू0पी0 बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–10 के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

प्रतिदर्ष – प्रतिदर्श का चयन बहुस्तरीय गुच्छ प्रतिदर्शन विधि से प्रयागराज जिले में यू0पी0 बोर्ड द्वारा संचालित 8 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10 के 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण – प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के संकलन हेतु विभिन्न शैक्षिक समूहों की पहचान हेतु स्वनिर्मित शैक्षिक समाजमितीय प्रश्नावली एवं अध्ययन आदत के मापन के लिए डिम्पल रानी और एम0एल0 जैदका द्वारा निर्मित अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया है।

आंकड़ों का विष्लेषण एवं व्याख्या – प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयागराज जिले के यू0पी0 बोर्ड द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों से कक्षा 10 के 400 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। 400 विद्यार्थियों में से 294 छात्रों की पहचान विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों (लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत प्रत्येक समूह में 98 विद्यार्थी) के रूप में की गयी। लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के बीच अध्ययन आदत एवं उसकी विभिन्न विमाओं में अन्तर ज्ञात करने के लिए एक–मार्गी प्रसरण वि"लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

तालिका 1: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	221.469	2	110.735	2.689	0.07
समूह के अन्दर (WSS)	11983.337	291	41.180		
कुल (TSS)	12204.806	293			

तालिका 1 से स्पष्ट है कि एफ का मान 2.689 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्ताष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	240.946	2	120.473	5.511*	0.04
समूह के अन्दर (WSS)	6361.694	291	21.861		
कुल (TSS)	6602.639	293			

*सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक

तालिका 2 से स्पष्ट है कि एफ का मान 5.511 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में सार्थक अन्तर है। लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में किन–किन समूहों के माध्य में सार्थक अन्तर है, को अधिक विस्तार से ज्ञात करने के लिए स्कै परीक्षण का प्रयोग किया गया है। जिसका विवरण तालिका 3 में दिया गया है।

तालिका 3: लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में स्कै से प्राप्त परिणाम में प्रदर्शित अन्तर

समूह संख्या	समूह	कुल संख्या (N)	मध्यमान	मानक विचलन	समूह की तुलना	मध्यमान का अन्तर
1.	लोकप्रिय	98	21.0102	5.01646	1 एवं 2	1.86735*
2.	एकाकी	98	22.8776	4.27716	1 एवं 3	0.10204
3.	अस्वीकृत	98	20.9082	4.70378	2 एवं 3	1.96939*

* सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक

तालिका 3 से स्पष्ट है कि लोकप्रिय एवं एकाकी समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ के मध्यमान में सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर है। एकाकी एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ के मध्यमान में भी सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर है। चूंकि एकाकी समूह का माध्य (22.8776) लोकप्रिय (21.0102) एवं अस्वीकृत (20.9082) समूहों के माध्य की तुलना में अधिक है अतः एकाकी समूह के विद्यार्थियों में समझ सम्बन्धी अध्ययन आदत अन्य दोनों समूहों की अपेक्षा अधिक है। जबकि लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ के मध्यमान में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

तालिका 4: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	6.231	2	3.116	0.392	0.676
समूह के अन्दर (WSS)	2312.684	291	7.947		
कुल (TSS)	2318.915	293			

तालिका 4 से स्पष्ट है कि एफ का मान .392 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 5: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	248.714	2	124.357	6.436*	0.002
समूह के अन्दर (WSS)	5622.827	291	19.322		
कुल (TSS)	5871.541	293			

* सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक

तालिका 5 से स्पष्ट है कि एफ का मान 6.436 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में सार्थक अन्तर है। लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में किन–किन समूहों के माध्य में सार्थक अन्तर है, को अधिक विस्तार से ज्ञात करने के लिए स्कै परीक्षण का प्रयोग किया गया है। जिसका विवरण तालिका 6 में दिया गया है।

तालिका 6: लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में स्कै से प्राप्त परिणाम में प्रदर्शित अन्तर

समूह संख्या	समूह	कुल संख्या (N)	मध्यमान	मानक विचलन	समूह की तुलना	मध्यमान का अन्तर
1.	लोकप्रिय	98	14.4694	3.84816	1 एवं 2	2.19388*
2.	एकाकी	98	16.6633	4.96575	1 एवं 3	.65306
3.	अस्वीकृत	98	15.1224	4.30120	2 एवं 3	1.54082*

* सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक

तालिका 6 से स्पष्ट है कि लोकप्रिय एवं एकाकी समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग के मध्यमान में सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर है। एकाकी एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग के मध्यमान में भी सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर है। चूंकि एकाकी समूह का माध्य (16.6633) लोकप्रिय (14.4694) एवं अस्वीकृत (15.1224) समूहों के माध्य की तुलना में अधिक है अतः एकाकी समूह के विद्यार्थियों में ई–साधनों के प्रयोग सम्बन्धी अध्ययन आदत अन्य दोनों समूहों की अपेक्षा अधिक है। जबकि लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग के मध्यमान में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

तालिका 7: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	54.333	2	27.167	2.548	0.080
समूह के अन्दर (WSS)	3102.378	291	10.661		
कुल (TSS)	3156.711	293			

तालिका 7 से स्पष्ट है कि एफ का मान 2.548 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 8: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	67.286	2	33.643	1.292	0.276
समूह के अन्दर (WSS)	7575.806	291	26.034		
कुल (TSS)	7643.092	293			

तालिका 8 से स्पष्ट है कि एफ का मान 1.292 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 9: माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास की तुलनात्मक स्थिति

स्त्रोत	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांष (df)	मध्यमान वर्ग	एफ (F)	सार्थक
समूह के मध्य (BSS)	45.762	2	22.881	1.661	0.192
समूह के अन्दर (WSS)	4008.306	291	13.774		
कुल (TSS)	4054.068	293			

तालिका 9 से स्पष्ट है कि एफ का मान 1.661 प्राप्त हुआ है जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। अतः निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर लोकप्रिय, एकाकी एवं अस्वीकृत समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन के निष्कर्ष –

1. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा एकाग्रता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में सार्थक अन्तर पाया गया जिसमें एकाकी समूह के विद्यार्थियों में समझ सम्बन्धी अध्ययन आदत अन्य दोनों समूहों (लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह) की अपेक्षा अधिक पायी गयी। जबकि लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा समझ में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा योजना में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
4. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग

में सार्थक अन्तर पाया गया जिसमें एकाकी समूह के विद्यार्थियों में ई–साधनों के प्रयोग सम्बन्धी अध्ययन आदत अन्य दोनों समूहों (लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह) की अपेक्षा अधिक पायी गयी। जबकि लोकप्रिय एवं अस्वीकृत समूह के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा ई–साधनों के प्रयोग में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

5. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अन्तर्क्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
6. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अध्ययन से सम्बन्धित वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
7. माध्यमिक स्तर पर विभिन्न शैक्षिक समाजमितीय समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत की विमा अभ्यास में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ –

इस शोध अध्ययन से स्पष्ट है कि कक्षा समूह के सदस्यों द्वारा प्राप्त पसंदों एवं नापसंदों के आधार पर विद्यार्थियों के आपसी व्यवहारों एवं अन्तर्क्रियाओं को समझकर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों की पहचान कर सकेंगे। प्रस्तुत शोध अध्ययन से यह जानकारी प्राप्त होती है कि विभिन्न समूहों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें कैसी हैं। विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की तुलना कर अध्ययन आदतों से सम्बन्धित कमजोरियों एवं वि”ोषताओं की भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की बेहतर समझ हासिल कर शिक्षण नीतियों, विधियों एवं तकनीकों का उपयोग कर उपचारात्मक शिक्षण प्रदान किया जा सकता है जिससे विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास हेतु अध्ययन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण आदतें विकसित की जा सकती हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. कुमार, एस0 एवं सोही, ए0 (2013). स्टडी हैबिट्स आफ टेन्थ ग्रेड स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू दिअर एकेडमिक एचीवमेन्ट्स. पैरीपेक्स–इण्डियन जर्नल आफ रिसर्च, 2(12), 58–60.
2. कुमार, अशोक (2001). पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बी० एड० के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी अध्ययन आदत, बुद्धिलब्धि एवं सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का एक अध्ययन (पी–एच0डी0 शोधप्रबन्ध). वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
3. चन्द, एस0 (2013). स्टडी हैबिट्स आफ सेकण्ड्री स्कूल स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू टाइप आफ स्कूल ऐण्ड टाइप आफ फैमिली. इन्टरनेशनल जर्नल आफ सोशल साइंस ऐण्ड इण्टरडिसिप्लिनरी रिसर्च (आई0जे0एस0एस0आई0आर0), 2(7), 90–96.
4. भट्ट, यू0 इ0 एवं खण्दई, एच0 (2016). एकेडमिक एचीवमेन्ट्स ऐण्ड स्टडी हैबिट्स आफ कालेज स्टूडेन्ट्स आफ डिस्ट्रिक्ट पुलवामा. जर्नल आफ एजूकेशन ऐण्ड प्रैक्टिस, 7(10), 19–24.
5. शर्मा, जी0 एवं व्यास, एच0 (2017). स्टडी हैबिट्स एमंग स्कूल स्टूडेन्ट्स. इन्टरनेशनल जर्नल आफ अप्लाइड रिसर्च, 3(4), 377–382.
6. शर्मा, नेहा (2015). ए स्टडी आफ इमोशनल इन्टेलीजेन्स, एचीवमेन्ट मोटीवेशन, प्राब्लम साल्विंग एबिलिटी ऐण्ड स्टडी हैबिट्स आफ डिफरेन्ट सोसियोमेट्रिक ग्रुप्स आफ एडोलसेन्ट्स ऐट सेकण्ड्री लेवल (पी–एच0डी0 शोधप्रबन्ध). अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
7. सिंह, ए0 बी0 (2019). ए स्टडी आफ स्टडी हैबिट्स आफ सीनियर सेकण्ड्री स्कूल स्टूडेन्ट्स. इन्टरनेशनल जर्नल आफ ह्युमनिटीज ऐण्ड सोशल साइंस इन्वेन्सन (आई0जे0एच0एस0एस0आई0), 8(06), 23–28.
8. श्रीवास्तव, शिखा एवं माने, किशोर हरिश्चन्द्र (2019). विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अभिभावकीय प्रोत्साहन एवं अध्ययन आदत के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन. भारतीय आधुनिक शिक्षा, 39(4), 56–63.